Department of Higher Education
Govt. of Uttarakhand

# DEVBHOOMI UDYAMITA YOJANA

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

# DUY – Media Coverage

## ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT PROGRAM

EDP Vol – 1

**PRINT MEDIA COVERAGE**

# उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार पर विशेष ध्यान

**शिक्षा**

**73,498** करोड़ स्कूली शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा बजट, 47,619 करोड़ रुपये उच्च शिक्षा पर खर्च होंगे

- पिछले साल की तुलना में तीन हजार करोड़ रुपये ज्यादा
- पीएम श्री योजना के तहत नए स्कूल खुलेंगे

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** शिक्षा क्षेत्र पर अंतरिम बजट में भी केंद्र सरकार ने अपना फोकस बरकरार रखा है। एक तरफ बुनियादी शिक्षा पर जोर है, वहीं उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार पर सरकार का ध्यान है।

स्कूल शिक्षा के बजट में केंद्रीय योजनाओं के लिए करीब 19 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है। जबकि स्कूली शिक्षा का कुल बजट भी पिछली साल की तुलना में बढ़ा है। उच्च शिक्षा का बजट आवंटन भी बढ़ाया गया है।

**केंद्रीय योजनाओं में ज्यादा खर्च :** संशोधित अनुमान वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2024-25 में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत केंद्रीय योजनाओं के लिए बजट आवंटन में 12,024 करोड़ रुपये यानी 19.56% की कुल वृद्धि हुई है।

**केवीएस और एनवीएस पर भी फोकस :** केवीएस और एनवीएस के स्वायत्त निकायों में अब तक का सबसे अधिक बजट आवंटन देखा जा सकता है। केवीएस के लिये 9,302 करोड़ रुपए और नवोदय विद्यालय के लिये 5,800 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

**डिजिटल शिक्षा को ज्यादा पैसा :** डिजिटल इंडिया लर्निंग के तहत आवंटन में करीब 80 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। गत वर्ष 420 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 505 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

**अध्ययन को ज्यादा राशि :** उच्च शिक्षा विभाग के तहत अध्ययन और नवाचार के लिए 355 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जबकि गत वर्ष यह आवंटन करीब 210 करोड़ रुपये था। सरकार ने इस वर्ष यूजीसी के बजट में 60 प्रतिशत की कटौती की है।

**कब कितना आवंटन**

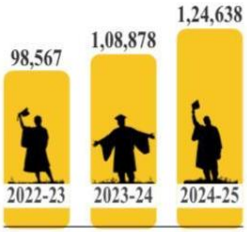


(आंकड़े करोड़ रुपये में)

**पीएम श्री योजना का आवंटन बढ़ाया गया :** पीएम श्री स्कूल योजना के तहत आवंटन 4000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 6000 करोड़ रुपये तक कर दिया गया है। इस योजना के तहत नए स्कूल खोले जाएंगे।

# महाविद्यालय जखोली में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

**बुलन्द वाणी संजय राजपूत**

**रुद्रप्रयाग, जखोली।** उद्यमिता में रुचि रखने वाले छात्र/छात्राओं और स्थानीय निवासियों18 से 45 वर्ष के युवाओं को अपने उद्यम की शुरूआत करने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालय जखोली में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। राजकीय महाविद्यालय जखोली में समस्त छात्र-छात्राओं/स्थानीय युवाओं एवं अन्य संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए उत्तराखण्ड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ 16 फरवरी से हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ० (कु०) माधुरी, डॉ० मुकुल वेदी, कार्यक्रम नोडल/ संयोजक डॉ० विकास शुक्ला, डॉ० देवेश चन्द्र, डॉ० कविता अहलावत द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन पर प्राचार्य डॉ० (कु०) माधुरी द्वारा कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए सभी को अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया और छात्रों को ऐसे उपयोगी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने का सुझाव दिया। डॉ० देवेश चन्द्र ने कार्यक्रम की सराहना करते बताया कि उद्यम स्थापित करने के लिए क्षेत्र के संसाधनों और स्थानीयता का ज्ञान होना आवश्यक है। कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ० विकास शुक्ला द्वारा 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम की रूप-रेखा और देवभूमि में संसाधनों के सतत उपयोग के साथ ही साथ उद्यम स्थापित करने पर विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद से विशेषज्ञ के रूप में आए डॉ० मुकुल वेदी ने उद्यमिता क्यों आवश्यक है, स्थानीय उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग, बिजनेस आइडिया पिचिंग पर प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचार रखे और उनके द्वारा प्रतिभागियों को वर्तमान में स्वरोजगार की उपयोगिता पर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे।

# रोजगार प्रदाता बनने का प्रयास करना चाहिए नई पीढ़ी को : प्रो.अतुल जोशी

## डीएसबी के वाणिज्य विभाग में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम हुआ शुरु

आज समाचार सेवा

**नैनीताल।** कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के वाणिज्य विभाग में शनिवार को उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड के अधीन संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (ई0डी0पी0) का प्रारंभ कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी की अध्यक्षता में हुआ।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रो. अतुल जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत छात्र- छात्राओं को उद्यमिता एवं नवाचार के लिये प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अच्छे बिजनेस आइडियाज वाले छात्र- छात्राओं को विभिन्न पहलुओं पर उन्हें आगे बढ़ाने के लिये तथा उनकी सहायता हेतु और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सहायक होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करते हुआ कहा कि वर्तमान समय में रोजगार के सीमित अवसरों को देखते हुए रोजगार की तलाश करने की अपेक्षा रोजगार प्रदाता बनने का प्रयास नई पीढ़ी को करना चाहिये। कार्यक्रम में मुख्य समन्वयक के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थानए अहमदाबाद ईडीआइ से आए सुमित कुमार मिश्रा ने देवभूमि उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को उद्यम के क्षेत्र में आगे बढने को प्रोत्साहित किया। उनके द्वारा इस 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना तथा उद्देश्य एवं भावी रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को भी पंजीकरण हेतु प्रोत्साहित किया एवं पंजीकरण में हो रही समस्याओं को दूर करने में सहायता की, इसके साथ ही सुमित कुमार मिश्रा के द्वारा उपस्थित प्रशिक्षुओं को उद्यमिता के विभिन्न पक्षों पर परामर्श दिया गया तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ0 विनोद जोशी द्वारा सभी आगंतुकों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 जीवन चंद्र उपाध्याय द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 विजय कुमार, डॉ0 निधि वर्मा, डॉ0 हिमानी जलाल, अंकिता आर्या, डॉ0 पूजा जोशी पालीवाल, डॉ0 विनोद जोशी, रीतिका शर्मा, डॉ0 गौतम रावत, अनिल डैला, घनश्याम पालीवाल तथा बिशन इत्यादि का सहयोग प्राप्त हुआ।

# नोडल अधिकारी डॉ. गिरिराज सिंह के नेतृत्व में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का किया गया शुभारम्भ

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**हरिद्वार, मरगूबपुर।** राजकीय महाविद्यालय मरगूबपुर में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत नोडल अधिकारी डॉ.गिरिराज सिंह के नेतृत्व में 12 दिवसीय एड्ब (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार गुप्ता ने भारतीय विकास संस्थान अहमदाबाद से आए औद्योगिकी विशेषज्ञ आशीष कुमार व मुख्य वक्ता अंकुर पटेरिया को पुष्प गुच्छ भेंट कर की। 12 दिवसीय एड्ब उद्यमिता विकास कार्यक्रम के प्रथम दिन भारतीय विकास संस्थान, अहमदाबाद के औद्योगिकी विशेषज्ञ आशीष कुमार ने बताया कि भारत का प्रत्येक युवा उद्यमी है, बस जरूरत है तो अपने विचारों का धरातल पर उतारने की। उन्होंने बताया कि हमें जॉब सीकर्स न होकर जॉब क्रिएटर होना चाहिए और कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि हर बड़े से बड़े उद्यमी बनने की शुरूआत सबसे पहले छोटे उद्यमी या स्टार्टअप से ही होती है। उन्होंने इंफोसिस/आईटीसी/होम स्टे योजना आदि का उदाहरण देते हुए बताया कि हमें कोशिश करना चाहिए कि हम स्टार्टअप कैसे शुरू करें और एक उद्यमी बनकर सी.इ.ओ.जैसे शीर्ष पद पर कैसे (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) पर पहुचें। उन्होंने और छात्र/ छात्राओं को आश्वासन दिया कि यदि आप कोई स्टार्टअप करना चाहते है और आपका आईडिया एड्ब्क (भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान) के मापदंड को पूरा करता है तो संस्थान द्वारा फाइनेंस या फंडिंग में आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

मुख्य वक्ता के रूप में अंकुर पटेरिया (इन्क्यूबेशन हेड बी.सी.प्राइवेट लिमिटेड) उद्यमी क्या है को परिभाषित करते हुए भारत में जितने भी अब तक नये स्टार्टअप हुए है। उनके बारे में विस्तार से बतायी साथ ही एक उद्यमी को स्टार्टअप करने हेतु वित्त सुविधा कैसे मिल सकती है और स्टार्टउप करने में उत्तराखंड सरकार और भारत सरकार द्वारा संचालित बैंक को किन किन सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है की जानकारी दी।

12 दिवसीय 12 दिवसीय एड्ब (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) प्रथम दिन का समापन प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार गुप्ता जी ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए छात्र छात्राओं को आगामी 12 दिवसीय एड्ब में भी उत्साह के साथ सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ .अनिल कठियार, डॉ. गिरिराज सिंह,डॉ. कविता रानी, श्री विशाल सिंह बिष्ट, श्री अब्दुल रहमान एवं श्री विजय नेगी उपस्थित रहे।

# छात्र-छात्राओं को दी स्टार्टअप से स्वरोजगार की जानकारी

## राजकीय महाविद्यालय में आयोजित किया गया कार्यक्रम

*लंबगांव महाविद्यालय में बूट कैंप के समापन में मौजूद प्रतिभागी।*

लंबगांव, 16 फरवरी (स.ह.) : राजकीय महाविद्यालय लंबगांव में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दो दिवसीय बूट कैंप का शुक्रवार को समापन हो गया है। शिविर में छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार अपनाने, स्टार्ट अप के माध्यम से अपना सेटअप तैयार करने सहित उद्यमिता के गुर सिखाए गए।

प्राचार्य डॉ. योगेश कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राएं स्वरोजगार के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का प्रयास करें। अब सरकार का फोकस पारंपरिक शिक्षा के साथ ही कौशल विकास को निखारने का भी है। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक विनय यादव ने प्रतिभागियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने की जानकारी दी। उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। बंसल कंसल्टेंसी सर्विस के सीए नितिन गुप्ता ने आर्थिक प्रबंधन और निवेश संबंधी जानकारियां दी।

योजना के नोडल डॉ. तरुण मोहन, सहायक नोडल डॉ. भरत सिंह राणा ने कहा कि इस तरह के आयोजन समय-समय पर आयोजित किए जाने चाहिए। कहा कि राज्य सरकार की यह योजना छात्रों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

डॉ. शिवम उनियाल, बलबीर सिंह चौहान ने शिविर में शामिल पालीटेक्निक, आईटीआई और महाविद्यालय के छात्रों को स्वरोजगार से अपने क्षेत्र, समाज और राष्ट्र को विकसित बनाने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर डॉ. एसके पांडेय, प्रदीप रावत, मकान सिंह, सोबन सिंह मौजूद थे।

## उद्यमिता विकास कार्यक्रम 26 से

कोटद्वार/सतपुली। राजकीय महाविद्यालय सतपुली में प्राचार्य प्रो. संजय कुमार की अध्यक्षता में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम को बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्यमिता विकास कार्यक्रम को 26 फरवरी से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी विपिन चंद्र ने बताया कि उद्यमिता विकास कार्यक्रम में नवीन उद्यम शुरू करने के 18 से 45 आयु वर्ग के सभी स्थानीय उद्यमियों, महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं, उमुविवि में अध्ययनरत स्थानीय पॉलीटेक्निक, आईटीआई में अध्ययनरत छात्रों को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण निशुल्क दिया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए प्रतिभागियों को 22 फरवरी तक रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के समय प्रतिभागियों को स्थायी निवास, जाति प्रमाण पत्र ,आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा करनी अनिवार्य होगी।

## स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के छठे दिन बैंकर्स ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

उत्तराखंड ग्रामीण बैंक मुवानी के शाखा प्रबंधक श्याम सिंह ने बैंक से उद्यम के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले ऋण और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने स्वरोजगार के लिए चलाई जा रही कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में योग्यता और शर्तों के संबंध में भी विस्तार से बताया।

देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने प्रतिभागियों को व्यवसाय के लिए बिजनेस आइडिया तैयार करने को प्रेरित किया। यहां प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत, राधा खनका, राजेंद्र पंत, पंकज कार्की, पूरन भट्ट, मोहन राम, पप्पू कुमार, डॉ. सुधीर कुमार आदि थे। संवाद

# राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन

टिहरी, राजकीय महाविद्यालय खाड़ी टिहरी गढ़वाल में देवभूमि उत्तराखंड उद्यमिता योजना के तहत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन आज हो गया है कार्यक्रम समापन से पहले सरस्वती वंदना एवम् दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया । कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने अपने विचारों के साथ कार्यक्रम का फीडबैक दिया ।तत्पश्चात उद्यमिता कार्यक्रम की नोडल अधिकारी श्रीमती मीना के द्वारा 12 दिनों की आख्या पढ़ी गई। उसके बाद प्राचार्य महोदय जी ने पहाड़ी क्षेत्रों में इस कार्यक्रम को लाभदाई बताया तथा प्रतिभागियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी तथा देव भूमि उद्यमिता से आए हुए मनदीप असवाल को महाविद्यालय परिवार की और से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन देशराज सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रो. निरंजना शर्मा, डॉ. ईरा सिंह, डॉ. सीमा पाण्डे, डॉ आरती अरोरा, डॉ.अनुराधा राणा, राजेन्द्र सिंह बिष्ट, कु. मनीषा , आशीष, पंकज, दीपक हितेश, सहित श्रीमती ललिता, उषा देवी, रेखा देवी शिवानी, ओमप्रकाश, आरती, स्वाति, मीनाक्षी, हिमांशु, उर्मिला, आदि अनेक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह व कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. मीना को देवभूमि उद्यमिता कौशल विकास संस्थान के सदस्य मनदीप असवाल द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया साथ ही कार्यक्रम सदस्यों में डॉ. ईरा सिंह, डॉ. देशराज सिंह, डॉ. आरती अरोड़ा को भी स्मृति चिन्ह देकर

दैनिक भारत विचार देहरादून, मंगलवार 09 अप्रैल

# राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन

टिहरी( **नीरज वशिष्ठ** ), राजकीय महाविद्यालय खाड़ी टिहरी गढ़वाल में देवभूमि उत्तराखंड उद्यमिता योजना के तहत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन आज हो गया है कार्यक्रम समापन से पहले सरस्वती वंदना एवम् दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया । कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने अपने विचारों के साथ कार्यक्रम का फीडबैक दिया । तत्पश्चात उद्यमिता कार्यक्रम की नोडल अधिकारी श्रीमती मीना के द्वारा 12 दिनों की आख्या पढ़ी गई। उसके बाद प्राचार्य महोदय जी ने पहाड़ी क्षेत्रों में इस कार्यक्रम को लाभदाई बताया तथा प्रतिभागियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी तथा देव भूमि उद्यमिता से आए हुए मनदीप असवाल को महाविद्यालय परिवार की और से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन देशराज सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रो. निरंजना शर्मा, डॉ. ईरा सिंह, डॉ. सीमा पाण्डे, डॉ आरती अरोरा, डॉ.अनुराधा राणा, राजेन्द्र सिंह बिष्ट, कु. मनीषा , आशीष, पंकज, दीपक हितेश, सहित श्रीमती ललिता, उषा देवी, रेखा देवी शिवानी, ओमप्रकाश, आरती, स्वाति, मीनाक्षी, हिमांशु, उर्मिला, आदि अनेक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह व कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. मीना को देवभूमि उद्यमिता कौशल विकास संस्थान के सदस्य मनदीप असवाल द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया साथ ही कार्यक्रम सदस्यों में डॉ. ईरा सिंह, डॉ. देशराज सिंह, डॉ. आरती अरोड़ा को भी स्मृति चिन्ह देकर

# राजकीय महाविद्यालय नागनाथ पोखरी में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यशाला

गबर सिंह भंडारी

**हरिद्वार/चमोली/श्रीनगर गढ़वाल ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )।** राजकीय महाविद्यालय नागनाथ पोखरी में चल रहे 12 दिवसीय उद्यमिता योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यशाला में दिनांक 5 अप्रैल 2024 को महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को औद्योगिक संस्थान एवं अन्य उद्यम से जुड़े संस्थान का भ्रमण प्रस्तावित किया गया। इस क्रम विद्यार्थियों को प्योर हिल बुरांश एवं माल्टा जूस प्रोसेसिंग इंडस्ट्री खड़पतिया रुद्रप्रयाग तथा एरोमेटिक औषधीय पौधों के कृषि व्यापार केंद्र इंडिया ग्लाइकोल लिमिटेड घिमतोली रुद्रप्रयाग का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वहां पर होने वाले कार्यों का निरीक्षण कर व्यापार एवं उद्यम से जुड़ी जानकारी प्राप्त किया। साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी बूटियों की खेती एवं उनसे वैल्यू एडेड उत्पाद का निर्माण एवं व्यापार से संबंधित जानकारी प्राप्त किया।

इस भ्रमण के दौरान भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद, गुजरात से आए विशेषज्ञ डॉ.मुकुल वेदी विद्यार्थियों को उद्यम हेतु केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ.अभय श्रीवास्तव एवं डॉ.कंचन सहगल ने बताया कि देव भूमि उद्यमिता योजना का मूल उद्देश्य उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हुए उत्तराखंड के युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना है। साथ ही इस योजना से उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार प्रदान करना तथा उनको वैश्विक पहचान दिलाना भी है।

इस भ्रमण में महाविद्यालय के डॉ.आरती रावत,विक्रम कंडारी एवं नवनीत सती के साथ समस्त रजिस्टर्ड विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# पेटेंट, कॉपीराइट के बारे में बताया

**कर्णप्रयाग।** राजकीय महाविद्यालय नंदासैण में आयोजित देवभूमि उद्यमिता योजना प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम समन्वयक रमेश जोशी ने बताया कि आईपीआर कानूनी संरक्षण का एक रूप है। उन्होंने पेटेंट, कॉपीराइट, डिजाइन, एगमार्क और हॉलमार्क के बारे में बताते हुए कहा कि इनके द्वारा हम अपने आविष्कार, रचनाओं, उत्पाद आदि को निर्धारित समय सीमा के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 51 छात्र छात्राएं भाग ले रही हैं। संवाद

# छात्रों को खेती-किसानी के गुर सिखाए

**खानपुर।** दल्लावाला के रानी धर्म कुंवर राजकीय महाविद्यालय में चल रहे 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के छठे दिन छात्र-छत्राओं को खेती किसानी के गुर सिखाए गए। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर शुभम सक्सेना ने कहा कि छात्र-छात्राओं को सरकारी नौकरी के साथ-साथ अन्य रोजगार के साधनों पर भी ध्यान देना चाहिए। कहा कि छात्र-छात्राएं मशरूम की खेती, बिस्किट और ब्रेड का स्वरोजगार अपनाकर अपने साथ अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ सकते हैं। महाविद्यालय प्राचार्या निवेदिता प्रियदर्शनी ने कहा कि छात्र जीवन मनुष्य का स्वर्णिम काल होता है। इस काल में छात्र को अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित कर लेना चाहिए। इस अवसर पर संतोष सिंह, धनंजय शर्मा, भूपेंद्र, अश्विनी कुमार, मनमोहन सिंह, गौतम, पूरणचंद, दीपक, अंकित आदि उपस्थित रहे। संवाद

# महिला वाणिज्य महाविद्यालय में द्वितीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का प्राचार्य प्रो० शशि पुरोहित द्वारा किया गया विधिवत उद्घाटन

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**नैनीताल, हल्द्वानी।** इंदिरा प्रदर्शनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में द्वितीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का प्राचार्य प्रोफेसर शशि पुरोहित द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। प्राचार्य प्रो० पुरोहित ने कहा कि देव भूमि उद्यमिता योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसके द्वारा जन सामान्य के मस्तिष्क में उठे विचारों को नए स्टार्टअप में बदला जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से इस योजना का भरपूर लाभ उठाते हुए स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ने का आवाहन किया साथ ही बताया कि महाविद्यालय में इस योजना के अंतर्गत दो उद्यमिता विकास कार्यक्रम चल रहे हैं। नोडल अधिकारी डॉ0 रितुराज पंत ने कार्यक्रम का उद्देश्य तथा देवभूमि उद्यमिता योजना के बारे में बताया। मेंटर डॉ0 रेखा जोशी ने छात्रों को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के बारे में विस्तार से बताते हुए उद्यमिता की अवधारणा उद्यमी का अर्थ एवं उद्यमी के गुना के बारे में बताया। इसके पश्चात डॉ0 फकीर सिंह ने उद्यमिता का महत्व बताते हुए उद्यमी बनने के आकर्षण के बारे में तथा वर्तमान में उत्तराखंड में व्याप्त विभिन्न संभावनाओं के बारे में छात्राओं को रूबरू किया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के प्रशिक्षक संजीव भटनागर द्वारा कई प्रेरक कहानियों से प्रेरित करते हुऐ छात्राओं को अपने जीवन में कुछ हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 ललिता जोशी ने किया इस अवसर पर डॉ0 दिनेश जोशी सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

# महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में तृतीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का हुआ विधिवत समापन

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**नैनीताल, हल्द्वानी।** इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत होने वाले 12 दिवसीय तृतीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ0 रितुराज पंत ने बताया कि महाविद्यालय में ये तीसरा 12 दिवासीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम था जिसमें छात्राओं एवं अन्य हितधारकों को पंजीकरण कराया था। डॉ0 पंत ने कहा कि महाविद्यालय में तीनों उद्यमिता विकास कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत चलाये गये। इसमें प्रतिभाग करने हेतु आयु 18 से 45 वर्ष तथा न्यूनतम योग्यता 12 वीं पास थी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 फकीर सिंह ने कहा कि इसमें उद्यमियों को परियोजना निर्माण हेतु आवश्यक आधारभूत तथ्य, वित्तीय एवं सरकारी ज्ञान आदि प्रदान करके परियोजना निर्माण को सुगम बनाने के लिऐ बताया गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी एवं कार्यक्रम की मेंटर डॉ0 रेखा जोशी ने बताया कि इस कार्यक्रम में नए उद्यम निर्माण से संबंधित उद्यमियों को सहायता प्रदान करना मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय से छः छात्राओं को देहरादून में आयोजित होने वाले मेगा इवेंट के लिऐ कॉल आया है जिसमें ये प्रशिक्षणार्थी अपने बिजनेस आइडिया का प्रस्तुतीकरण करेंगे जो कि महाविद्यालय के लिऐ बड़े ही गौरव की बात है। अन्त में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 शशि पुरोहित ने कहा कि हमको नौकरी मांगने वाला ना बनकर नौकरी देने वाला बनना चाहिए इसी के दृष्टिगत ये कार्यक्रम निश्चित की अपने उद्देश्य को प्राप्त होगा। संचालन डॉ0 गीता पंत ने किया। इस अवसर पर डॉ0 फकीर सिंह, डॉ0 हिमानी आदि उपस्थित रहे।

# महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में चल रहे तृतीय उद्यमिता विकास की दी जानकारी

स.संपादक शिवाकांत पाठक

हल्द्वानी उत्तराखंड, रिपोर्ट महावीर गुसाईं। इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में चल रहे तृतीय 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दसवें दिन ईडीआईआई अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी डा0 रेखा जोशी ने प्रतिभागियों को प्रारंभिक व्यवसाय योजना तैयार करना एवं उसके प्रस्तुतीकरण के संदर्भ में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक व्यवसाय योजना एक औपचारिक दस्तावेज है जो कंपनी के लक्ष्यों, रणनीतियों और उद्देश्यों के साथ-साथ उन्हें प्राप्त करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की रूपरेखा तैयार करता है। इसमें आमतौर पर कंपनी के उत्पादों या सेवाओं, लक्ष्य बाजार, वित्तीय अनुमानों, विपणन रणनीतियों और प्रबंधन टीम के बारे में जानकारी शामिल होती है। अंग्रेजी विभाग प्रभारी डा0 ललिता जोशी योजना के प्रभावी प्रस्तुतीकरण के बारे में बताते हुऐ कहा कि योजना की पिचिंग के समय इसकी एक रूपरेखा विकसित करनी चाहिए। प्रस्तुति को एक प्रेरक कहानी के रूप में बताना चाहिए, व्यावसायिक विशेषज्ञता स्थापित करनी चाहिए, ग्राहकों, निवेशकों या भागीदारों की जिज्ञासा का समाधान करना चाहिए और योजना की कार्रवाई के आवाहन के साथ अपना प्रस्तुतीकरण समाप्त करना चाहिए। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डा0 रितुराज पंत, डा0 डा0 फकीर सिंह, डा0 गीता पंत, डा0 हिमानी आदि उपस्थित रहे।

# महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में तृतीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

स.संपादक शिवाकांत पाठक

हल्द्वानी उत्तराखंड। आज दिनांक २० मार्च २०२४ को इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में १२ दिवसीय तीसरा उद्यमिता विकास कार्यक्रम का प्राचार्य प्रो० शशि पुरोहित ने शुभारम्भ किया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य प्रो० शशि पुरोहित ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है जिसमें छात्राओं को नए उद्यम स्थापित करने में अत्यन्त सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमको नौकरी लेने वाले की अपेक्षा नौकरी देने वाला बनना है तो ये योजना एक मील का पत्थर साबित होगी और साथ ही उद्यमिता की महत्ता एवं आकर्षण के बारे में बताया। डीयूवाई के नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डा० रितुराज पंत ने देवभूमि उद्यमिता योजना के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए उद्यमिता की अवधारणा, उद्यमी का अर्थ और एक सफल उद्यमी के गुण के बारे में विस्तार से बताया। इसके पश्चात भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त डा० रेखा जोशी ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताते हुए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के कार्यप्रणाली को प्रतिभागियों के साथ विस्तार से साझा की। उद्यमिता विकास संस्थान से आए बालेंष्ण जोशी ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं १२ दिवसीय आयोजित होने वाले सत्रों के बारे में विस्तार से चर्चा की। संजीव भटनागर द्वारा उत्तराखंड के सफल उद्यमियों के साथ ही यहां पर व्याप्त संभावनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डा० ललिता जोशी ने किया। इस अवसर पर डा० गीता पंत डा० फकीर सिंह, डा० राजेश आदि उपस्थित रहे।

# महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में चल रहे तृतीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बताए प्रभावपूर्ण मार्केटिंग के गुर

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**नैनीताल, हल्द्वानी।** इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में चल रहे तृतीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के ग्यारवें दिन नोडल अधिकारी डॉ0 रितुराज पंत ने छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग के बारे में जानकारी दी और उसके महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि मार्केटिंग एक द्वारा ही संभावित कस्टमर्स को प्रोडक्ट या सर्विस के बारे में बताकर सेल्स बढ़ाई जाती है। अतः किसी भी कंपनी के रेवेन्यू में मार्केटिंग की अहम भूमिका होती है। बिजनेस का गोल तय करने में मदद : कोई भी कंपनी मार्केटिंग के द्वारा ही कस्टमर की मांग और जरूरतों को समझ पाती है। डॉ0 गीता पंत ने प्रतिभागियों को बताया कि एक स्टार्टअप मार्केटिंग रणनीति यह बताती है कि आप अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना कैसे बनाते हैं । इसमें उद्यमी द्वारा अपनाई जाने वाली दिशा के साथ-साथ उसके द्वारा ऐसा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले दृष्टिकोण का भी उल्लेख होना चाहिए। उद्यमी अपनी मार्केटिंग रणनीति को अपने व्यवसाय के लिए एक रोड मैप के रूप में सोचें।

इसके बाद उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर छात्राओं को जागरूक किया साथ ही वेस्ट से और कृषि उत्पाद से उत्पादन कैसे कर सकते है जैसेझ्र गोबर से दिया और धूप केसे बनाए जा सकते है उसके बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने छात्राओं को कृषि उत्पादों के उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ0 रेखा जोशी डॉ0 फकीर नेगी आदि उपस्थित रहे।

# विद्यार्थियों का कराया रजिस्ट्रेशन

**संवाद सूत्र, खानपुर :** रानी धाम कुंवर राजकीय महाविद्यालय दल्लावाला में स्थापित देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र में चल रहे 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के सातवें दिन उद्यम मंत्रालय की वेबसाइट पर उद्यम को लेकर छात्र-छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कराया गया। रजिस्ट्रेशन गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय से आए रिसोर्स पर्सनल शुभम सक्सेना ने कराए। इस मौके पर देवभूमि उद्यमिता विकास योजना की नोडल अधिकारी रेणु देवी, महाविद्यालय की प्राचार्य डा. निवेदिता, डा. संतोष कुमार सिंह, डा. धनंजय शर्मा, डा. भूपेंद्र सिंह, अश्वनी कुमार, मनमोहन रावत, दीपक सिंह, गौतम, अंकित, मूलू सिंह, मनमोहन आदि मौजूद थे।


**कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)**

पृ.सं.-सा./स्टोर/डिजीटेशन/2023-24/1197-A दिनांक 14.03.2024

**अल्पकालीन ई-निविदा सूचना वर्ष 2023-24**

कुमाऊँ विश्वविद्यालय डिजीटेशन ऑफ टेबुलेशन रजिस्टर एण्ड डेवलपमेण्ट ऑफ मैनेजमैण्ट सिस्टम कार्य हेतु दिनांक 15.03.2024 से दिनांक 24.03.2024 के अपरान्ह 4.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी उत्तराखण्ड राज्य की वेबसाईट-www.uktenders.gov.in तथा विश्वविद्यालय की वेबसाईट- www.kunainital.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

# कालेज छात्रों को बताए अपने उद्यम स्थापित करने के गुर

राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला में उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से उद्यमिता विकास कार्यक्रम संचालित

*जागरण संवाददाता, हरिद्वार:* राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला में उद्यमी सोच रखने वाले युवाओं को अपने उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से उद्यमिता विकास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डा. स्मिता बसेड़ा ने देवभूमि में संसाधनों के सतत उपयोग के साथ ही उद्यम स्थापित करने पर विचार रखे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता मानव संसाधन विकास भेल के डिप्टी डायरेक्टर डा. पंकज ने वर्तमान में स्वरोजगार की उपयोगिता पर व्याख्यान देते हुए कहा कि उद्यम स्थापित करने के लिए क्षेत्र के संसाधनों का ज्ञान होना आवश्यक है। देवभूमि उद्यमिता योजना के कोआर्डिनेटर डा. सुमित कुमार ने विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए सहायता, सलाह और वित्त पोषण प्रदान करके उद्यमिता की संस्कृति के प्रोत्साहन के लिए महत्वपूर्ण तथ्यों पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि इससे न केवल रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि नवाचार और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद से विशेषज्ञ के रूप में आए डा. अमित त्रिवेदी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए सहायता, सलाह और वित्त पोषण प्रदान करके उद्यमिता की संस्कृति को प्रोत्साहित किया गया है।

इस दौरान प्राध्यापक डा. युवराज, डा. आशीष, डा. अजय उनियाल, डा. भगवती प्रसाद, डा. संजीव, किरन कुमारी, डा. अर्चना, डा. रूबी, डा. निर्विन्ध्या, डा. विशाल शर्मा, डा. प्रमिला आदि मौजूद रहे।

# छात्र-छात्राओं ने सीखे उद्यमिता विकास के गुर

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दौरान भ्रमण करते छात्र-छात्राएं। स्रोत : महाविद्यालय

अस्कोट (पिथौरागढ़)। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत छात्र-छात्राओं को अचार, जूस, जैम, मिठाई और नमकीन को बनाने के गुर सिखाए गए।

नारायण नगर महाविद्यालय में आयोजित 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत वसुंधरा फल संरक्षण एवं गृह उद्योग और अन्य स्थानों का भ्रमण कराया गया। वसुंधरा फल संरक्षण एवं गृह उद्योग की दीपा नितवाल ने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के अचार, आम, मिर्च, लहसुन आदि की प्रोसेसिंग के बारे में जानकारी दी। वहां नोडल अधिकारी टीका सिंह, प्राचार्य डॉ. सुधीर तिवारी, सुजल ऐरी, नवल किशोर, अनीता आदि थे। संवाद

# छात्र-छात्राओं को बताए बिजनेस प्लान

संवाद न्यूज एजेंसी

खटीमा। एचएनबी पीजी कॉलेज में बुधवार को देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रशिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप को लेकर नए-नए बिजनेस प्लान बताए।

बीएड सभागार में आयोजित शिविर में प्रशिक्षक रोहित पंत ने 50 छात्र-छात्राओं व अन्य प्रतिभागियों को बाजार सर्वे और स्टार्टअप बिजनेस की विस्तृत जानकारी दी। शिविर को विद्यार्थियों में काफी उत्साह नजर आया।

वहां प्रभारी प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार, देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. हरेंद्र मोहन सिंह, डॉ. रीना सिंह, डॉ. केके मित्रा, डॉ. वीएन पांडेय आदि थे।

खटीमा डिग्री कॉलेज में आयोजित प्रशिक्षण में मौजूद छात्र-छात्राएं। संवाद

# नए बिजनेस आइडिया को व्यवसाय के रूप में अपनाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

पिथौरागढ़। राजकीय महाविद्यालय में 12 दिनी उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन हो गया है। इस दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता के गुर सिखाए गए। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने अपने व्यवसाय की योजना बताई।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी उद्यमिता और नवाचार का प्रशिक्षण लिया। नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने प्रतिभागियों को तैयार किए गए बिजनेस आइडिया को व्यावसायिक रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि संस्कृति को ध्यान में रखकर व्यवसाय प्रारंभ से लाभ कमाया जा सकता है। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि प्रशिक्षण भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहयोगी होगा।

यहां राजेंद्र पंत, राधा खनका, मदन उपाध्याय, गंगा कार्की, पंकज कार्की, रूपेश रहे। संवाद

# विद्यार्थियों में उद्यमिता के गुणों का विकास करेंगे

**मुवानी (पिथौरागढ़)।** राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों में उद्यमिता और नवाचार के गुणों का विकास किया जाएगा। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि उद्यमिता विकास में प्रयास किया जाएगा कि प्रतिभागियों के दिमाग में कुछ बेहतर बिजनेस आइडिया उत्पन्न हों ताकि उन्हें धरातल पर उतारा जा सके। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ व्यवसाय में रुचि रखने वाले स्थानीय लोग भी प्रतिभाग करेंगे। नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। सहायक प्राध्यापक डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राएं स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पठन-पाठन के साथ अपना व्यवसाय भी करें। वहां रूपेश कुमार, कार्यक्रम संचालक उत्तरापथ सेवा संस्था की राधा खनका, पूरन भट्ट, मोहन राम, पप्पू कुमार, भावना, अलका जोशी, धर्म सिंह, पूजा चंद मौजूद रहीं। संवाद


# विद्यार्थियों में उद्यमिता के गुणों का विकास करेंगे

**मुवानी (पिथौरागढ़)।** राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों में उद्यमिता और नवाचार के गुणों का विकास किया जाएगा। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि उद्यमिता विकास में प्रयास किया जाएगा कि प्रतिभागियों के दिमाग में कुछ बेहतर बिजनेस आइडिया उत्पन्न हों ताकि उन्हें धरातल पर उतारा जा सके। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ व्यवसाय में रुचि रखने वाले स्थानीय लोग भी प्रतिभाग करेंगे। नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। सहायक प्राध्यापक डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राएं स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पठन-पाठन के साथ अपना व्यवसाय भी करें। वहां रूपेश कुमार, कार्यक्रम संचालक उत्तरापथ सेवा संस्था की राधा खनका, पूरन भट्ट, मोहन राम, पप्पू कुमार, भावना, अलका जोशी, धर्म सिंह, पूजा चंद मौजूद रहीं। संवाद

# मुवानी में स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तीसरे दिन नाबार्ड की ओर से प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। नाबार्ड के डीडीएम राकेश कन्याल और प्रशिक्षकों ने बैंकों से बिजनेस आइडिया के लिए किस प्रकार सहायता मिल सकती है, इसके बारे में बताया। उन्होंने स्वरोजगार के लिए चलाई जा रही विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी भी दी। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने प्रतिभागियों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बिजनेस प्लान तैयार करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि उद्यमिता विकास कार्यक्रम के जरिये प्रतिभागियों में उद्यमिता के गुणों को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहां राधा खनका, राजेंद्र पंत, पंकज कार्की, पूरन भट्ट, मोहन राम, डॉ. सुधीर कुमार, अलका जोशी, धर्म सिंह आदि थे। संवाद

# प्रतिभागियों को दी रिंगाल के उत्पादों की जानकारी

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में चल रहे देवभूमि उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को कमतोली स्थित हिम शिल्पी हुनर का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें रिंगाल से बने उत्पादों की जानकारी दी गई। केंद्र में राजेंद्र पंत, उत्तराखंड शिल्प रत्न पुरस्कार से सम्मानित किशन राम, कलावती देवी, पंकज कार्की ने रिंगाल से बनने वाले उत्पादों के बारे में बताते हुए इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने रिंगाल से घरेलू उपयोग और सजावटी वस्तुएं टोकरी, डलिया, खिलौने,गमले आदि बनाने की तकनीक के बारे में बताते हुए कहा कि इससे वह अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि उत्तराखंड सरकार की इस योजना से विद्यार्थियों में उद्यमिता के गुणों का विकास होगा। इस मौके पर राजेंद्र पंत, पूरन भट्ट, मोहन राम, पप्पू कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, भावना, अलका जोशी, पूजा चंद आदि मौजूद रहे। संवाद

## मारकुना में ली मछली पालन की जानकारी

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को मारकुना स्थित मछली पालन केंद्र का भ्रमण कराया गया। मछली पालन केंद्र के डिगर सिंह ने मछली पालन की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के तहत विभिन्न उद्यमियों से मिलाया जा रहा है। यहां राजेंद्र पंत, पंकज कार्की, नोडल अधिकारी राजकमल किशोर, डॉ. सुधीर कुमार, रूपेश कुमार, राधा खनका, भावना, पूजा चंद आदि मौजूद रहीं। संवाद

# नए बिजनेस आइडिया को व्यवसाय के रूप में अपनाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

पिथौरागढ़। राजकीय महाविद्यालय में 12 दिनी उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन हो गया है। इस दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता के गुर सिखाए गए। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने अपने व्यवसाय की योजना बताई।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी उद्यमिता और नवाचार का प्रशिक्षण लिया। नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने प्रतिभागियों को तैयार किए गए बिजनेस आइडिया को व्यावसायिक रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि संस्कृति को ध्यान में रखकर व्यवसाय प्रारंभ से लाभ कमाया जा सकता है। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि प्रशिक्षण भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहयोगी होगा।

यहां राजेंद्र पंत, राधा खनका, मदन उपाध्याय, गंगा कार्की, पंकज कार्की, रूपेश रहे। संवाद

# उद्यम लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया

कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागी व अतिथि। संवाद

**काशीपुर।** राजकीय महाविद्यालय जसपुर में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान प्रतिभागियों को जानकारी देते हुए योजना का लाभ उठाकर अपना उद्यम स्थापित कर लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अमिता लोहनी और प्राचार्य डॉ. रीटा शर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय उद्यमिता केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. बिनीता बिष्ट ने 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर प्रतिदिन दिए गए प्रशिक्षण, लेक्चर्स, फील्ड, विजिट व अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए सरकार द्वारा चलाई जाने वाली अन्य योजनाओं के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। साथ ही योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहां अनुराग शर्मा, डॉ. ब्रह्म राज सिंह, डॉ. नीति गोयल, सुरेश कुमार, कपिल आर्या, आभा रानी, नितांशु भट्ट आदि थे। संवाद

# महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में द्वितीय 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

**नैनीताल, हल्द्वानी।** इन्दिरा प्रियदर्शनी राजकीय महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में द्वितीय 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के द्वितीय दिवस मैं छात्राओं को हेमा बिष्ट द्वारा नए उद्यमों के लिऐ नवाचार की महत्ता, स्टार्टअप, विभिन्न एजेंसियों की भूमिका एवं उनकी योजनाओं के बारे में बताते हुऐ उद्यमिता के बारे में शुरूआती तौर पर जानकारी दी गई जिसमें उन्हें उद्यमी के प्रमुख गुणों के बारे में बताया गया साथ ही उद्यमिता के बारे में बताया गया । उन्होंने कहा कि उद्यमिता (eftreprefeur-ship) नये संगठन आरम्भ करने की भावना को कहते हैं। किसी वर्तमान या भावी अवसर का

पूर्वदर्शन करके मुख्यतः कोई व्यावसायिक संगठन प्रारम्भ करना उद्यमिता का मुख्य पहलू है। उद्यमिता में एक तरफ भरपूर लाभ कमाने की सम्भावना होती है तो दूसरी तरफ जोखिम,अनिश्चितता और अन्य खतरे की भी प्रबल संभावना होता है। इसके साथ नवाचार और उनके प्रकारों के बारे में भी जानकारी दी गई और साथ में स्टार्टअप और व्यवसाय के प्रकारों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में डॉ0 फकीर सिंह असि0 प्रो0 वाणिज्य ने छात्राओं को व्यावसायिक अवसर की पहचान तथा बाजार सर्वेक्षण के लिऐ मॉडल प्रश्नावली के बारे में बताते हुऐ एम.एस.एम.ई के बारे में जानकारी दी साथ ही उद्योग शुरू करने के लिए किन महत्वपूर्ण ओपचारिकताओ और प्रक्रियाओं को पूरा करना जरूरी है, इसके बारे मैं भी जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने इस प्रक्रिया के हर चरण पर संपूर्ण जानकारी भी दी कि व्यवसाय के स्थान का चयन करना, व्यवसाय को ऑनलाइन रजिस्टर करना और किस प्रकार से इसके बारे में हम ऑनलाइन मध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर ईडीआईआई के संजीव भटनागर सहित नोडल अधिकारी डॉ0 रितुराज पंत, डॉ0 रेखा जोशी, डॉ0 ललिता जोशी, डॉ0 गीता पंत, डॉ0 हिमानी, डॉ0 राजेश आदि उपस्थित रहे।